पाठ 7. साहसी रत्ना

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में तदनुरूपता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे अपरिचित परिस्थितियों में जीवन को समझने में सक्षम हो सकें। इस पाठ में बताया गया है कि यदि साहस तथा बुद्धि का परिचय दिया जाए तो मुश्किल काम भी आसान हो जाते हैं।

पाठ का सार

जैसलमेर के राजा रत्नसिंह पर अलाउद्दीन ने चढ़ाई कर दी। रत्नसिंह की अनुपस्थिति में अलाउद्दीन के सेनापति मलिक काफ़ूर ने महल का फाटक खुलवाने की योजना बनाई। राजा रत्नसिंह की बेटी रत्ना सैनिक के वेश में घूम रही थी। तभी एक सैनिक ने उसे मोहरों से भरी थैली दी तथा फाटक खुलवाने को कहा। रत्ना सब कुछ समझ गई तथा अपनी वीरता और चालाकी के बल पर सबको कैदखाने में बंद कर दिया। राजा रत्नसिंह को जब इस घटना का पता चला तो उन्होंने रत्ना को शाबाशी दी। इस प्रकार रत्ना ने अपने राज्य की दुश्मनों से रक्षा की।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी का वाचन करने के बाद अर्थ बताते जाएँ। जैसलमेर कहाँ है, यह बताना न भूलें। रत्ना जैसी बहादुर लड़कियों का उदाहरण दें। बहादुरी से जुड़े बच्चों के संस्मरण सुनें। रानी लक्ष्मीबाई की कहानी भी सुनाई जा सकती है। साहस का महत्व समझाएँ। 'बुद्धि बड़ी है या बल'–यह प्रश्न बच्चों से रत्ना की चतुराई के संदर्भ में करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 23** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - **फ-फ़** का उच्चारण करके दोनों में अंतर स्पष्ट करें। अभ्यास में पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों का उच्चारण करवाएँ।
  - कुछ शब्द काम करने या काम के होने के बारे में संकेत देते हैं। वाक्य में प्रयोग करके ऐसे शब्दों की पहचान करवाएँ।
  - बच्चे प्राय: **श-स, ढ-ढ़** और **ड-ड़** वाले शब्दों को लिखने में व उनका उच्चारण करने में गलतियाँ करते हैं। उच्चारण करके इनमें अंतर स्पष्ट करें।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - भारत का मानचित्र दिखाकर भारत के आसपास के देशों के नाम ढूँढ़ने में बच्चों की सहायता करें। यह भी जानने की कोशिश करें कि कौन-सा देश भारत की किस दिशा में स्थित है।